P-543

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-607

ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार-02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. नाभस योगों के लक्षण का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. नाभस योगों के भेद-उपभेद का स्पष्ट उल्लेख करें।

3. वृहज्जातक ग्रन्थानुसार विविध राजयोगों के लक्षण का वर्णन कीजिए।

4. सोदाहरण योगिनी दशा साधन विधि का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. प्रत्यन्तर दशा साधन विधि पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. आश्रय योग के भेदों का उल्लेख करें।

2. गजकेसरी योग से आप क्या समझते हैं?

3. लक्ष्मी एवं कुसुम योग में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. दारिद्रय भङ्ग योग का स्पष्ट उल्लेख कीजिए।

5. मारक योग पर टिप्पणी लिखिए।

6. दशा का मुक्त और भोग्य काल का ज्ञान कैसे करते हैं? सोदाहरण स्पष्ट करें।

7. अष्टोत्तरी दशा से आप क्या समझते हैं?

8. दशा फल का विचार कैसे करते हैं? प्रतिपादित कीजिए।